MARKING SCHEME
CLASS-XI
BUSINESS STUDIES
2023-24

अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।

The objective of the marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answer points given in the marking scheme are not final. These are suggestive and indicative. If the candidate has given different but suitable answers from these, then he should be given suitable marks.

Que No	Suggested Answers	Marking Scheme
1	(बी) असीमित (B) Unlimited	1
2	(बी) थोक व्यापारी (B) Wholesaler	1
3	(बी) कंपनी रजिस्ट्रार (B) Registrar of Companies	1
4	(सी) ए और बी दोनों (C) Both A and B	1
5	(सी) पेटेंट (C) Patent	1
6	(ए) अल्पकालीन वित्त (A) Short term finance	1
7	(बी) ब्याज (B) Interest	1

Download from www.MsEducationTv.com

8	(डी) ₹ 10 करोड़ (D) ₹ 10 crore	1
9	(ए) कथन 1 सत्य है लेकिन कथन 2 असत्य है। (A) Statement 1 is true but statement 2 is false.	1
10	(बी) कथन 1 असत्य है लेकिन कथन 2 सत्य है। (B) Statement 1 is false but statemen 2 is true.	1
11	कम्प्यूटर सिस्टम, इंटरनेट कनेक्शन Computer system, internet connection	1
12	व्यवसाय, पेशा, रोज़गार Occupation, profession, employment	1
13	दोनों पक्ष ग्राहक (उपभोक्ता) होते हैं। Both the parties are customers (consumers).	1
14	10	1
15	51%	1
16	रॉयल्टी Royalties	1
17	पार्षद सीमानियम Memorandum of association	1
18	असत्य False	1
19	असत्य False	1
20	असत्य False	1

Download from www.MsEducationTv.com

21	थोक विक्रेताओं द्वारा फुटकर विक्रेताओं को प्रदान की जाने वाली सेवा: i. माल की पूर्ति में सुविधा ii. वित्तीय सहायता iii. परामर्श संबंधी सेवाएं iv. नए उत्पादों की सूचना v. पैकिंग सुविधा आदि Services provided by wholesalers to retailers: i. Convenience in supply of goods ii. Financial help iii. Consultancy Services iv. New products information v. Packing facilities etc.	(1x3) (1 अंक प्रत्येक बिंदु के लिए) (1 mark for each point)
22	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ: i. विदेशी मुद्रा की प्राप्ति ii. संसाधनों का अधिक क्षमता से उपयोग iii. विकास की संभावनाएं iv. रोजगार में वृद्धि आदि Advantages of International Trade: i. Foreign exchange ii. More efficient use of resources iii. Development prospects iv. Increase in employment etc.	(1 अंक प्रत्येक बिंदु के लिए) ½ mark for the heading+½ mark for the explanation

Download from www.MsEducationTv.com

23	ई-कॉमर्स के लाभ: i. विश्व स्तर पर पहुंच ii. नए उत्पाद को लाने में आसानी iii. पूर्ति श्रृंखला में कमी iv. सरल वितरण प्रणाली v. इंटरनेट द्वारा शंकाओं का तुरंत समाधान vi. कर्मचारी लागत में कमी vii. समय की बचत आदि Advantages of E-Commerce: i. Global reach ii. Ease of introducing new products iii. Supply chain shortfalls iv. Simplification of delivery system v. Instant resolution of doubts through internet vi. Employee cost reduction vii. Time saving etc. अथवा Or ई-व्यवसाय एवं पारंपरिक व्यवसाय में अंतर i. स्थापना ii. 24x7 उपलब्धता iii. शारीरिक उपस्थिति iv. स्थापना की लागत v. व्यवहार में लगने वाला समय आदि Differences between e-business and traditional business: i. Establishment ii. 24x7 availability iii. Physical presence iv. Cost of establishment v. Difference in transaction time etc.	(1/2 अंक प्रत्येक बिंदु के लिए) (½x6) any 6 points (1x3) (Any 3 points)

Download from www.MsEducationTv.com

24	मानवीय कारण: ऐसा जोखिम जो मनुष्यों की असावधानी, बेईमानी या जल्दबाजी के कारण होता है। कर्मचारियों की बेईमानी, ग्राहकों की बेईमानी, हड़ताल, तालाबंदी आदि इसके कारण है। आर्थिक कारण: फैशन में परिवर्तन, मूल्यों में परिवर्तन, प्रतियोगिता का प्रभाव आदि कारण हो सकते हैं। प्राकृतिक कारण: इसके अंतर्गत मौसमी परिवर्तन, भूकंप, बिजली गिरना, टिड्डी दल का हमला आदि कारण हो सकते हैं। **Human Causes**: Such risks occur due to carelessness, haste of human beings, dishonesty of employees, dishonesty of customers, strike, lockout etc. **Economic Causes**: Changes in fashion, changes in prices, effect of competition etc. can be the reason. **Natural causes:** Under this, weather changes, earthquakes, lightning, strikes, locust attack etc. can be the reason. अथवा Or पेशे का अभिप्राय ऐसी आर्थिक क्रिया से है जिसमें विशेष ज्ञान व कुशलता के आधार पर एक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों को निर्देशन, मार्ग दर्शन या परामर्श देता है। विशेषताएं:- i. विशेष ज्ञान एवं तकनीकी कौशल ii. औपचारिक प्रशिक्षण iii. प्रतिनिधि पेशेवर संघ का होना iv. आचार संहिता v. सेवा भावना को प्राथमिकता Profession refers to such an economic activity in which a person gives direction, guidance or advice to other people on the basis of special knowledge and expertise. Features: i. Special knowledge and technical skills ii. Formal training iii. Representative professional association iv. Code of conduct v. Service motive	(1x 3) 1 Mark for each point (1+2) Meaning of profession, any 4 features (Just headings)

Download from www.MsEducationTv.com

25	लघु उद्योग की समस्याएं i. अक्षम प्रबंधन ii. बुनियादी ढांचे की कमी iii. तकनीकी अप्रचलन iv. कच्चे माल की सीमित उपलब्धता v. मार्केटिंग की समस्या vi. बड़े पैमाने के उद्योगों और आयात के साथ प्रतिस्पर्धा vii. समय पर और पर्याप्त ऋण की अनुपलब्धता Problems of Small Scale Industries: i. Inefficient management ii Lack of infrastructure iii. Technological obsolescence iv. Limited availability of raw materials v. Marketing problem vi. Competition with large scale industries and MNCs viii. Non-availability of timely and adequate credit facilities	(1x4) Any 4 points and explanation (1mark for each point)
26	(A) निवेशकों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व: i. पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना ii. उचित लाभांश देना iii. सही समय पर लाभांश का भुगतान करना iv. संस्था की वास्तविक प्रगति से अवगत करवाना v. पूंजी का सदुपयोग (B) कर्मचारियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व: i. उचित पारिश्रमिक देना ii. कार्य की अच्छी दशाएं देना iii. लाभ में हिस्सा प्रदान करना iv. नौकरी की सुरक्षा प्रदान करना v. प्रबंध में भागीदारी देना vi. शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था करना vii. पदोन्नति एवं विकास के अवसर प्रदान करना।	(2+2) any 4 points in each case

Download from www.MsEducationTv.com

	(A) Social Responsibility towards the investors: i. Safety of funds ii. Fair dividend iii. Timely payment of dividends iv. To inform about the actual progress of the organization v. Wealth maximisation vi. Optimum use of capital (B) Social Responsibility towards Employees: i. Fair wages ii. Good working conditions iii. Profit sharing iv. Job security v. Participation in management vi. Providing training time to time viii. Providing opportunities for promotion and development.	(4-4 points for each) 1/2 mark for each point
27	उद्योग का अभिप्राय उस आर्थिक क्रिया से है जिसमें वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है। उद्योग तीन प्रकार के होते हैं: i. प्राथमिक उद्योग: प्राथमिक उद्योगों को जननिक एवं निष्कर्षण दो भागों में बांटा जाता है। जननिक उद्योग में पशुपालन, मुर्गी पालन, पौधारोपण आदि शामिल है जबकि निष्कर्षण उद्योग में खनन, कृषि आदि शामिल है। ii. द्वितीयक उद्योग: इसको निर्माण उद्योग तथा रचनात्मक उद्योग दो भागों में वर्गीकृत किया जाता है। रचनात्मक उद्योग भवन सड़कें पुल आदि बनाने से संबंधित है जबकि निर्माण उद्योग में निम्न शामिल है:- a) विश्लेषणात्मक उद्योग: जैसे कच्चे तेल से पेट्रोल, डीजल, गैस आदि का निकाला जाना b) प्राविधिक उद्योग: गन्ने से चीनी तैयार करना c) सम्मिश्रण उद्योग: चूना, पत्थर, जिप्सम और कोयले को मिलाकर सीमेंट बनाया जाता है। d) संयोजक उद्योग क्षेत्र के उद्योग: जैसे साइकिल, रेडियो, टेलीविजन, स्कूटर आदि।	(1+2+1) 1 Mark for primary industry, 2 marks for secondary and 1 mark for tertiary industry

Download from www.MsEducationTv.com

iii. तृतीयक उद्योग: इन उद्योगों में सेवा क्षेत्र को शामिल किया जाता है। विभिन्न सेवाएं जैसे बैंकिंग, बीमा, विज्ञापन, संग्रहण तथा यातायात क्षेत्र सेवाओं में शामिल है।

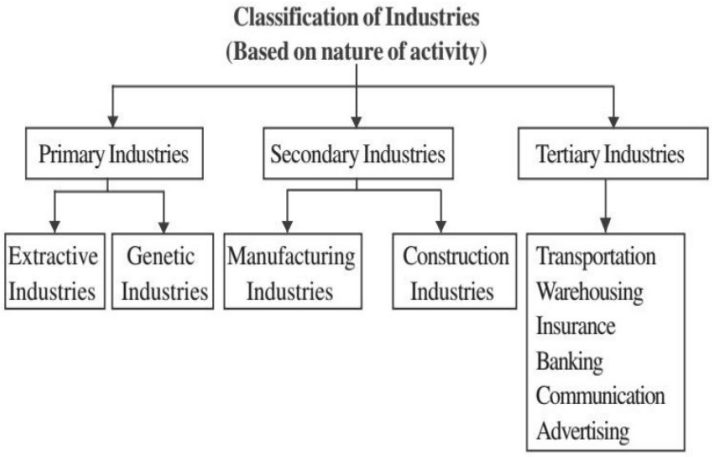

Industry refers to that economic activity in which goods and services are produced. There are three types of industries:

i. **Primary Industries**: Primary industries are divided into Genetic and Extractive. The genetic industry includes animal husbandry, poultry, plantation, etc., while the extractive industry includes mining, agriculture, etc.

ii. **Secondary Industry**: It is classified into two parts Manufacturing industry and Construction industry. Construction industry is concerned with building roads, bridges, buildings etc. while construction industry includes:

a) Analytical industries: Such as extraction of petrol, diesel, CNG, LPG etc. from crude oil

b) Processing industry: Such as making of sugar from sugarcane, cloth from yarn etc.

c) Synthetic Industry: Such as Cement is made by mixing limestone, gypsum and coal etc.

d) Assembly Industries: Such as cycles, radios, televisions, scooters, etc. (Automobile & Electronic products)

(1+2+1)

Download from www.MsEducationTv.com

	iii. **Tertiary Industries**: These industries include the service sector. Various services such as banking, insurance, advertising, warehousing and transport are included in tertiary sector.	
28	घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर: i. क्रेता तथा विक्रेता की राष्ट्रीयता ii. उत्पादन के साधनों की गतिशीलता iii. बाजार में ग्राहकों की प्रकृति में भिन्नता iv. भिन्न व्यापार प्रणालियां v. मुद्रा में भिन्नता vi. जोखिम आदि Difference between Domestic and International Trade: i. Nationality of buyer and seller ii. Mobility of the means of production iii. Variation in the nature of customers in the market iv. Different trade systems v. Currency variation vi. Risk etc.	(1x4) (1 अंक प्रत्येक बिंदु के लिए) ½ Mark for heading, ½ mark for explanation
29	सार्वजनिक उपक्रम देश के आर्थिक विकास का आधार होते हैं परंतु संतुलित आर्थिक विकास के लिए इनकी कमियों को दूर किया जाना आवश्यक है। इसी संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए मुख्य कदम निम्नलिखित है: i. आरक्षित उद्योगों की संख्या में कमी ii. पेशेवर प्रबंध iii. एमओयू अवधारणा को लागू करना iv. सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण v. नेशनल रिन्यूअल फंड का प्रावधान vi. औद्योगिक व वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा पुनरुद्धार Public enterprises are the basis of economic development of the country but for balanced economic development, it is necessary to remove their shortcomings. Following are the main steps taken by the government in this context: i. Reduction in the number of reserved industries ii. Professional management	(1x4) ½ Mark for heading, ½ mark for explanation

Download from www.MsEducationTv.com

	iii. Implementing MoU Concept iv. Privatization of public enterprises v. Provision of National Renewal Fund vi. Revival by the Board of Industrial and Financial Reconstruction अथवा OR <u>विभागीय उपक्रमों की सीमाएं</u>: i. शीघ्र कार्यवाही की कमी ii. लोच शीलता की कमी iii. प्रेरणा का अभाव iv. प्रतियोगी भावना की कमी v. अधिक राजनीतिक हस्तक्षेप vi. लालफीताशाही Limitations of Departmental Undertakings: i. Lack of prompt action ii. Less flexibility iii. Lack of motivation iv. Lack of competitive spirit v. Political interference vi. Red tapism	any 4 points ½ Mark for heading, ½ mark for explanation (1x4) ½ Mark for heading, ½ mark for explanation Any 4 points
30	एक वाणिज्यिक बैंक में खोले जाने वाले खाते: i. बचत जमा खाता: यह खाता छोटी छोटी बचतों को प्रोत्साहन देने के लिए खोला जाता है। इस पर बैंक साधारण दर से ब्याज देता है। बैंक में धन कभी भी जमा करवाया अथवा निकलवाया जा सकता है। ii. निश्चितकालीन जमा खाता: इस खाते में एक निश्चित अवधि के लिए रुपया जमा करवाया जाता है। उस निश्चित अवधि तक धन बैंक में ही रखा जाता है और यदि अवधि पूरी होने से पहले ही इसकी आवश्यकता पड़ जाए तो जमाकर्ता कुछ कटौती काट कर राशि प्राप्त करता है। इस खाते में बैंक अधिक दर से ब्याज देता है। iii. आवर्ती जमा खाता: इस खाते में जमाकर्ता एक निश्चित समय के लिए प्रतिमाह निश्चित राशि जमा करवाते हैं। यह	(1x4) any 4 points (½ Mark for heading, ½ mark for explanation)

Download from www.MsEducationTv.com

	राशि निर्धारित समय से पहले निकलवा ही नहीं जा सकती। इस खाते में बचत खाते की अपेक्षा अधिक ब्याज प्राप्त होता है। iv. चालू जमा खाता: यह खाता व्यवसायी किसी जमानत के आधार पर बैंक में खुलवाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर बहुत कम अवधि के लिए जमा राशि से अधिक राशि भी निकलवाई जा सकती है। **Accounts to be opened in a commercial bank**: i. **Saving Bank Account**: This account is opened to encourage small savings. The bank gives interest on this at a normal rate. Amount can be deposited or withdrawn at any time. ii. **Fixed Deposit Account**: In this account, money is deposited for a fixed period. It is kept in the bank till that fixed period and if it is required before the completion of the period, the depositor receives the amount after deducting some deduction. The bank gives a higher rate of interest in this account. iii. **Recurring Deposit Account**: In this account, the depositor deposits a fixed amount every month for a fixed period of time. This amount cannot be withdrawn before the stipulated time. This account earns more interest than the savings account. iv. **Current Account**: This account is opened by the businessmen in the bank on the basis of some security. If required, the amount in excess of the deposited amount can also be withdrawn for a very short period. अथवा Or (A) <u>अधिकार समर्पण के सिद्धांत</u>: इसका अभिप्राय है कि जब बीमाकर्ता किसी क्षति से संबंधित दावे का भुगतान कर देता है तो बीमा की विषय वस्तु से संबंधित सभी अधिकार बीमा कर बीमाकर्ता को हस्तांतरित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए यदि एक व्यक्ति ने अपने मकान का बीमा करवाया और मकान आग से पूरी तरह नष्ट हो गया तो कंपनी बीमा धारी को अग्नि बीमा की संपूर्ण राशि का भुगतान करेगी और मकान के अवशेषों पर बीमा कंपनी	(2x2)

Download from www.MsEducationTv.com

	का अधिकार होगा। (B) <u>निकटतम कारण का सिद्धांत</u>: इसका अभिप्राय यह है कि हानि की जिम्मेदारी निश्चित करने के लिए हानि के निकटतम कारण को देखा जाता है, ना कि दूरस्थ कारण को। उदाहरण के लिए यदि <u>स</u>मुद्री जानवर टक्कर मार मार कर जहाज में छेद कर देते हैं, तो इस क्षति का निकटतम कारण जहाज में पानी का भरना है। (A) **Principle of Subrogation**: It means that when the insurer pays a claim relating to a loss, all the rights relating to the subject matter of insurance are transferred to the insured. For example, if a person has insured his house against fire and it gets completely destroyed by the fire and if the entire amount of fire insurance has been paid to the owner, the insurance company will have rights over the residuals and the remains of the house. (B) **Principle of Causa Proxima**: It means that in order to fix the responsibility for the loss, the proximate cause of the loss and not the remote cause is looked into. For example, marine animals hit and punch holes in a ship. The proximate cause of this damage is the water in the ship.	2 marks for each point
31	अंश कंपनी की पूंजी का भाग होते हैं जो कंपनी में स्वामित्व का प्रमाण पत्र होते हैं। ऋणपत्र कंपनी की मुद्रा के अंतर्गत निर्मित किया गया ऋण की स्वीकृति का लिखित प्रमाण होता है। अंश एवं ऋणपत्र में अंतर: i. कंपनी से संबंध ii. प्रतिफल iii. प्रबंध में भाग iv. कर लाभ v. वापसी का क्रम आदि Shares form part of the capital of a company and is a certificate of ownership in the company. A debenture is a written instrument of acceptance of a loan drawn up under the common seal of the company.	(1+5) any five differences

Download from www.MsEducationTv.com

	Difference between shares and debentures: i. Relationship with company ii. Return/Reward iii. Participation in management iv. Tax benefits v. Refund of amount invested etc.	
32	पार्षद सीमा नियम को कंपनी का चार्टर कहा जाता है। यह कंपनी का मुख्य प्रलेख होता है जिसके बिना कंपनी का रजिस्ट्रेशन संभव नहीं है। पार्षद सीमा नियम में छह प्रमुख वाक्य होते हैं: i. नाम वाक्य ii. स्थान वाक्य iii. उद्देश्य वाक्य iv. दायित्व वाक्य v. पूंजी वाक्य vi. संघ एवं हस्ताक्षर वाक्य Memorandum of Association is called as the Charter of the Company. This is the main document of the company without which the registration of the company is not possible. M/A consists of six key clauses: i. Name Clause ii. Place Clause iii. Object Clause iv. Liability Clause v. Capital Clause vi. Association & Subscription Clause	(1+5)

Download from www.MsEducationTv.com

33	बहुसंख्यक दुकाने एक ही प्रबंध के अधीन एक समान वस्तु को बेचने वाली अनेक दुकानें होती हैं। यह दुकाने एक शहर में अनेक स्थानों पर या अनेक शहरों में होती हैं। वस्तुओं का निर्माण एक ही जगह किया जाता है और निर्माता स्वयं अपनी फुटकर दुकानें खोल लेते हैं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए वस्तुओं की क्वालिटी, मूल्य तथा दुकान की सजावट सभी स्थानों पर एक जैसी रखी जाती है। <u>विशेषताएं</u>: i. केंद्रीयकृत निर्माण ii. निर्माता द्वारा स्वामित्व iii. नकद विक्रय iv. फुटकर आधार पर विक्रय v. आकार, गुण व मूल्य में समानता vi. दुकान की सजावट में समानता vii. सामान्य उपयोग की वस्तुएं Multiple shops or Chain stores are defined as a type of retail organisation that is composed of a chain of retail stores, owned and operated under a single management company. The goods are manufactured at one place and the manufacturers themselves open their own retail shops. To attract the customers, the quality, price and decoration of the shop are kept the same at all the places. <u>Features</u>: i. Centralized manufacturing ii. Cash sales iii. Retail shops iv. Similarity in size, quality and price v. Similarity in shop decor vi. Articles of general use अथवा Or	(1+5) meaning and any 5 features

Download from www.MsEducationTv.com

	<u>विभागीय भंडार के लाभ</u>: i. बड़े पैमाने पर व्यापार ii. विशिष्टिकरण के लाभ iii. केंद्रीय स्थिति iv. विज्ञापन में सरलता v. घर पर सुपुर्दगी vi. क्रय सुविधा vii. ठगे जाने का भय नहीं <u>विभागीय भंडार के दोष</u>: i. अत्याधिक पूंजी ii. साधारण ग्राहकों से दूर iii. अधिक परिचालन व्यय iv. महंगी वस्तुएं v. व्यक्तिगत ध्यान का भाव vi. सामाजिक भेदभाव Advantages of Departmental Stores: i. Large scale business ii. Benefits of specialization iii. Central position iv. Ease in advertising v. Facility of home delivery of products vi. Variety of products at one place vii. No fear of being cheated Demerits of Departmental Stores: i. Excess capital ii. Away from ordinary customers iii. Higher operating expenses iv. Expensive items v. Lack of personal attention	(3+3) any 3 points each of merits and limitations

Download from www.MsEducationTv.com

34	एकाकी व्यवसाय व्यवसायिक संगठन के उस प्रारूप को कहा जाता है जिसका स्वामी एक अकेला व्यक्ति होता है, जो उसका प्रबंध करता है, पूंजी लगाता है तथा संपूर्ण लाभ हानि प्राप्त करता है। एकाकी व्यवसाय को शीघ्र निर्णय, गोपनीयता, प्रत्यक्ष प्रेरणा, व्यक्तिगत नियंत्रण एवं स्थापना में सुगमता का लाभ मिलता है परंतु अनेक लाभ होते हुए भी इसकी कुछ सीमाएं हैं: i. पूंजी के सीमित साधन ii. अस्थाई अस्तित्व iii. सीमित दायित्व iv. असंतुलित प्रबंध v. सीमित प्रबंध क्षमता Sole Proprietorship is that form of business organization which is owned by a single person, who manages it, invests capital and receives the entire profit and loss. Sole Proprietorship has the advantage of quick decision making, privacy, direct motivation, personal control and ease of establishment but despite having many advantages, it has some limitations: i. Limited means of capital ii. Temporary existence iii. Limited liability v. Unbalanced management vi. Limited managerial capacity अथवा Or <u>अविछिन्न उत्तराधिकार</u>: कंपनी का जीवन व्यवसायिक संगठन के सभी प्रारूपों में सबसे अधिक स्थाई होता है। इस पर सदस्यों के आने या जाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वैधानिक व्यक्ति होने के कारण कंपनी का समापन केवल अधिनियम के द्वारा ही हो सकता है। कंपनी के अस्तित्व के बारे में कहा गया है कि: "Members may come, Members may go, But the Company goes on forever"	(1+5) Meaning & any 5 limitations (2x3) Explanation of Any 3 points

Download from www.MsEducationTv.com

	<u>सीमित दायित्व</u>: कंपनी में अंशधारियों का दायित्व उनके द्वारा खरीदे गए अंशों के मूल्य तक सीमित होता है। केवल गारंटी द्वारा सीमित या असीमित दायित्व वाले कंपनी में ऐसा नहीं होता। कंपनी को बहुत अधिक हानि होने की दशा में भी अंशधारियों से केवल उनके अंशों की बकाया राशि ही मंगवाई जा सकती है। <u>कृत्रिम व्यक्ति</u>: कंपनी को कृत्रिम वैधानिक व्यक्ति माना जाता है क्योंकि कंपनी व्यक्तियों की भांति प्रलेखों पर हस्ताक्षर कर सकती है और अपने नाम में संपत्ति रख सकते हैं। लेकिन मनुष्यों की भांति यह जीवित नहीं रहती इसलिए इसे कृत्रिम व्यक्ति कहते हैं। <u>पृथक अस्तित्व</u>: कंपनी का अस्तित्व अपने सदस्यों से अलग होता है। कंपनी अपने सदस्यों पर दावा भी प्रस्तुत कर सकती है। रजिस्ट्रेशन के बाद कंपनी को पृथक वैधानिक अस्तित्व मिल जाता है। **Perpetual Succession**: The life of a company is the most permanent of all forms of business organization. It is not affected by the entering or leaving of members. Being a legal person, the company can be wound up only by an act. The existence of the company is said to have: "Members may come, Members may go, But the Company goes on forever" **Limited liability:** The liability of the shareholders in the company is limited to the value of the shares purchased by them. Except in the case of a company limited by guaranteed or unlimited liability company. Even in the case of huge loss to the company, only the outstanding amount of their shares can be called from the shareholders.	Mention any three

Download from www.MsEducationTv.com

	Artificial person: A company is considered to be an artificial legal person as the company can sign documents and hold property in its name like a person. But it does not survive like humans, hence it is called an artificial person. **Separate existence:** The existence of a company is separate from that of its members. The company can also file a case against its members. After registration the company gets a separate legal entity. 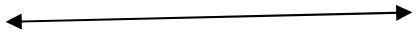	

Download from www.MsEducationTv.com